सत्यमेव जयते
Government of India

NCGG
National Centre for Good Governance
The Torch Bearers of Good Governance

वार्षिक रिपोर्ट
2023-24

राष्ट्रीय सुशासन केंद्र

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय
भारत सरकार

सत्यमेव जयते
Government of India

NCGG
National Centre for Good Governance
The Torch Bearer of Good Governance

वार्षिक रिपोर्ट
2023-24

राष्ट्रीय सुशासन केंद्र
कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय
भारत सरकार

अनुक्रमणिका

कार्यकारी सारांश 01

परिचय

1)	I. केंद्र के बारे में II. लक्ष्य एवं उद्देश्य	02
2)	III. एन.सी.जी.जी.का अधिदेश IV. शासी निकाय V. प्रबंधन समिति	03

वर्ष 2023 - 2024 के दौरान एन.सी.जी.जी. की गतिविधियाँ

3)	I. अंतरराष्ट्रीय क्षमता विकास कार्यक्रम	04
4)	II. घरेलू क्षमता विकास कार्यक्रम	07
5)	III. जानकारी भ्रमण	08
6)	IV. राष्ट्रीय सुशासन वेबिनार श्रृंखला (एन.जी.जी.डब्ल्यू.एस.)	09
7)	V. प्रकाशन VI. सहयोग	12
8)	VII. आउटरीच गतिविधियाँ VIII. संस्थागत विकास	13

अनुलग्नक- I	राष्ट्रीय सुशासन केंद्र के शासी निकाय के सदस्य	18
अनुलग्नक- II	राष्ट्रीय सुशासन केंद्र की प्रबंधन समिति के सदस्य	19
अनुलग्नक- III	बांग्लादेश के सिविल सेवकों के लिए क्षमता विकास कार्यक्रमों का विवरण	20
अनुलग्नक- IV **अनुलग्नक- V**	मालदीव के सिविल सेवकों के लिए क्षमता विकास कार्यक्रमों का विवरण गाम्बिया के सिविल सेवकों के लिए क्षमता विकास कार्यक्रमों का विवरण	21
अनुलग्नक- VI **अनुलग्नक- VII** **अनुलग्नक- VIII** **अनुलग्नक- IX**	कंबोडिया के सिविल सेवकों के लिए क्षमता विकास कार्यक्रमों (सी.बी.पी.) का विवरण श्रीलंका के सिविल सेवकों के लिए क्षमता विकास कार्यक्रमों (सी.बी.पी.) का विवरण अफ्रीकी क्षेत्र के विभिन्न देशों के सिविल सेवकों के लिए क्षमता विकास कार्यक्रमों (सी.बी.पी.) का विवरण जम्मू और कश्मीर के सिविल सेवकों के लिए फील्ड एडमिनिस्ट्रेशन में क्षमता विकास कार्यक्रमों (सी.बी.पी.) का विवरण	22

अनुलग्नक- X	अरुणाचल प्रदेश के सिविल सेवकों के लिए फील्ड एडमिनिस्ट्रेशन में क्षमता विकास कार्यक्रमों (सी.बी.पी.) का विवरण	23
अनुलग्नक- XI	विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर एन.सी.जी.जी. – आई.एन.एस.ए. नेतृत्व विकास कार्यक्रमों (लीड्स) का विवरण	
अनुलग्नक- XII	एन.सी.जी.जी. इंटर्नशिप प्रोग्राम का विवरण	
अनुलग्नक- XIII	प्रधान मंत्री पुरस्कार विजेता पहलों पर राष्ट्रीय सुशासन वेबिनार शृंखलाओं का विवरण	24
अनुलग्नक- XIV	एन.सी.जी.जी. इंटर्नशिप कार्यक्रमों के पहले और दूसरे बैच के विषयों का विवरण	25
अनुलग्नक- XV	संस्थानों/राज्यों/देशों के साथ हस्ताक्षरित अंतरराष्ट्रीय और घरेलू समझौता ज्ञापन	26

कार्यकारी सारांश

यह वार्षिक रिपोर्ट राष्ट्रीय सुशासन केंद्र (एन.सी.जी.जी.) की गतिविधियों और उपलब्धियों पर प्रकाश डालती है, जो कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के तहत 2014 में स्थापित एक शीर्ष-स्तरीय स्वायत्त संस्थान है। रिपोर्ट 1 अप्रैल, 2023 से 31 मार्च, 2024 तक की अवधि को कवर करती है और भारत और अन्य विकासशील देशों में शासन, नीति सुधार, क्षमता निर्माण और सिविल सेवकों और टेक्नोक्रेट के प्रशिक्षण के लिए एन.सी.जी.जी. की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

अपनी स्थापना के बाद से, एन.सी.जी.जी. ने अपने कार्यक्रमों का काफी विस्तार किया है, जो शुरू में 5 कार्यक्रमों के साथ एक देश की सेवा करने से लेकर वित्त वर्ष 2023-24 में 33 कार्यक्रमों के साथ 10 देशों को जोड़ने तक विकसित हुआ है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, एन.सी.जी.जी. ने बांग्लादेश, कंबोडिया, गाम्बिया, मालदीव, म्यांमार और श्रीलंका सहित विभिन्न देशों के साथ प्रभावशाली सहयोग किया है। उल्लेखनीय उपलब्धियों में समझौता ज्ञापनों (एम.ओ.यू.) द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण लक्ष्यों को पार करना शामिल है, जैसे कि 71 कार्यक्रमों के माध्यम से बांग्लादेश में 2,600 सिविल सेवकों को प्रशिक्षण देना और विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से मालदीव में 1,005 सिविल सेवकों को लाभान्वित करना।

घरेलू स्तर पर, एन.सी.जी.जी. ने राष्ट्रीय सुशासन वेबिनार जैसी पहलों के साथ अपनी उत्कृष्टता जारी रखी है, जिसमें 16,000 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए हैं। प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया (ए.एस.सी.आई.) और भारतीय प्रबंधन संस्थान (आई.आई.एम.) जैसे प्रतिष्ठित भारतीय संस्थानों के साथ साझेदारी का उद्देश्य राज्य क्षमता विकास कार्यक्रमों को बढ़ाना है। प्रभावी लोक प्रशासन को बढ़ावा देने के लिए जम्मू और कश्मीर, गुजरात और अरुणाचल प्रदेश जैसे क्षेत्रों में विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

2023-2024 में एन.सी.जी.जी. –आई.एन.एस.ए. लीड्स पहल के तहत सरकारी प्रयोगशालाओं और शैक्षणिक संस्थानों के वरिष्ठ वैज्ञानिकों के एक बैच का संचालन किया गया। इसके अतिरिक्त, एन.सी.जी.जी. ने 2023 - 2024 में दो इंटर्नशिप कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए।

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्षमता विकास के लिए एन.सी.जी.जी. का व्यापक दृष्टिकोण, प्रभावी शासन और लोक प्रशासन सुधारों के लिए अभिप्रेरक के रूप में इसकी भूमिका को रेखांकित करता है, जो सीमाओं के पार सतत विकास और संस्थागत मजबूती में योगदान देता है। यह रिपोर्ट शासन में सुधार और सार्वजनिक सेवा सुपुर्दगी की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए एन.सी.जी.जी. के चल रहे प्रयासों को दर्शाती है।

परिचय

I. केंद्र के बारे में

राष्ट्रीय सुशासन केंद्र (एन.सी.जी.जी.) की स्थापना 2014 में भारत सरकार द्वारा कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के तहत एक शीर्ष-स्तरीय स्वायत्त संस्थान के रूप में की गई थी। केंद्र की उत्पत्ति राष्ट्रीय प्रशासनिक अनुसंधान संस्थान (एन.आई.ए.आर.) से हुई है, जिसकी स्थापना 1995 में लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एल.बी.एस.एन.ए.ए.) द्वारा की गई थी। शुरुआत में, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डी.ओ.पी.टी.) इसके संचालन की देखरेख के लिए जिम्मेदार था। हालाँकि, 8 नवंबर, 2017 से, प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (डी.ए.आर.पी.जी.), एन.सी.जी.जी. का प्रशासनिक विभाग रहा है।

एन.सी.जी.जी. सभी क्षेत्रों में स्थानीय, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर सार्वजनिक नीति और शासन के मुद्दों की एक विस्तृत श्रृंखला का समाधान करता है। केंद्र सुशासन, नीति सुधार, क्षमता निर्माण और भारत और अन्य विकासशील देशों के सिविल सेवकों और टेक्नोक्रेटों के प्रशिक्षण के क्षेत्रों में काम करने के लिए अधिदेशित है। इसके अतिरिक्त, यह एक 'थिंक टैंक' के रूप में कार्य करता है, जो सुशासन, पारदर्शिता और बेहतर सार्वजनिक सेवा सुपुर्दगी को बढ़ावा देने वाली विभिन्न पहलों और सर्वोत्तम प्रथाओं पर जानकारी का एक राष्ट्रीय भण्डार उपलब्ध कराता है।

II. लक्ष्य एवं उद्देश्य

एन.सी.जी.जी. की स्थापना करते समय निम्नलिखित लक्ष्य और उद्देश्य निर्धारित किए गए हैं:

1. प्रशासनिक, सामाजिक, आर्थिक और वित्तीय क्षेत्रों में शासन और नीतिगत सुधारों के लिए एक 'थिंक टैंक' बनना;
2. सरकार और उसके अर्ध-सरकारी संगठनों के भीतर सुशासन, ई-गवर्नेंस, नवाचार और परिवर्तन प्रबंधन को बढ़ावा देने वाली सर्वोत्तम प्रथाओं, पहलों और कार्यप्रणालियों पर सूचना के राष्ट्रीय भण्डार के रूप में कार्य करना;

3. राष्ट्रीय, राज्य और स्थानीय स्तर पर विनियामक और विकास प्रशासन, सार्वजनिक नीति, शासन और सार्वजनिक प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर कार्रवाई अनुसंधान और क्षमता निर्माण शुरू करना और उसमें भाग लेना;

4. शासन के प्रमुख मुद्दों पर सलाह देना और भारत सरकार तथा विभिन्न राज्य सरकारों के विभिन्न मंत्रालयों/विभागों के बीच तालमेल विकसित करना।

5. शासन में नवीन विचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं के साझाकरण और अनुकरण को बढ़ावा देना;

6. इन क्षेत्रों में अनुसंधान और क्षमता निर्माण में लगे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ बातचीत करना, चाहे वे सरकार के अंदर हों या बाहर।

7. देश के अंदर और बाहर परामर्श सेवाएं प्रदान करना।

III. एन.सी.जी.जी. का अधिदेश

1. नीतिगत सुधारों और साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण को बढ़ावा देना;
2. सिविल सेवकों के लिए क्षमता विकास और प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करना और उनका संचालन करना;
3. शासन संबंधित मुद्दों के व्यावहारिक समाधान के लिए व्यापक शोध और विश्लेषण करना;
4. शासन में सूचना, ज्ञान, विचारों और विशेषज्ञता के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए कई विकासशील देशों के साथ सहयोग करना;
5. विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों में रिपोर्ट, केस स्टडी, मोनोग्राफ और सर्वोत्तम प्रथाओं को प्रकाशित करना; और
6. नागरिक-अभिमुख शासन के लिए आधुनिक संचार प्रौद्योगिकियों और आउटरीच का उपयोग करना।

IV. शासी निकाय

एन.सी.जी.जी. के मामलों का प्रबंधन शासी निकाय के समग्र मार्गदर्शन और निर्देशन के तहत किया जाता है, जिसका नेतृत्व कैबिनेट सचिव करते हैं। इसमें भारत सरकार के 9 मंत्रालयों/विभागों के सचिव हैं, तथा 5 व्यक्ति अर्थात शिक्षाविद, प्रख्यात प्रशासक, विशेषज्ञ, प्रख्यात नवोन्मेषक और प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रमुख, सदस्य हैं। महानिदेशक जो एन.सी.जी.जी. के मुख्य कार्यकारी हैं, शासी निकाय के सदस्य-सचिव के रूप में कार्य करते हैं। (अनुलग्नक-I)

V. प्रबंधन समिति

एन.सी.जी.जी. की एक प्रबंधन समिति है, जो वार्षिक योजनाओं, कार्यक्रमों की निगरानी और कार्यान्वयन, सोसायटी के योगदान और निधि आदि के संबंध में सोसायटी के प्रशासन और प्रबंधन के लिए जिम्मेदार है। प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सचिव, डी.ए.आर.पी.जी. हैं, जिसमें 9 मंत्रालयों/विभागों के सचिव या उनके नामित व्यक्ति, समन्वय सचिव (कैबिनेट सचिवालय), विशेष सचिव एवं वित्त सलाहकार (गृह मंत्रालय) सदस्य के रूप में और महानिदेशक, एन.सी.जी.जी. सदस्य सचिव के रूप में हैं। (अनुलग्नक-II)

वर्ष 2023 – 2024 के दौरान एन.सी.जी.जी. की गतिविधियाँ

I. अंतरराष्ट्रीय क्षमता विकास कार्यक्रम

वैश्विक आउटरीच:

2023-24 में, एन.सी.जी.जी. ने वेबिनार आयोजित करके अपने वैश्विक फुटप्रिंट का महत्वपूर्ण रूप से विस्तार किया, जिसमें 17 देशों के प्रतिभागियों ने भाग लिया, तथा भारत के गवर्नेंस मॉडल और सर्वोत्तम प्रथाओं को बढ़ावा दिया। एन.सी.जी.जी. – आई.टी.ई.सी. वेबिनार श्रृंखला ने इस वैश्विक पहुंच में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, मालदीव, गाम्बिया, श्रीलंका, तंजानिया, ईरान, नेपाल और मलेशिया जैसे देशों के अंतर्राष्ट्रीय सिविल सेवकों के बीच प्रभावी शासन प्रथाओं का प्रसार किया। इस श्रृंखला ने एन.सी.जी.जी. को वैश्विक स्तर पर एक अग्रणी संस्थान के रूप में स्थापित किया है।

बांग्लादेश:

2013 में, विदेश मंत्रालय द्वारा एन.सी.जी.जी. को बांग्लादेश के 1,500 सिविल सेवकों को प्रशिक्षित करने के लिए अधिदेशित किया गया। 1,500 सिविल सेवकों के सफल प्रशिक्षण के बाद, बांग्लादेश सरकार के लोक प्रशासन मंत्रालय ने अगले छह वर्षों में बांग्लादेश के अन्य 1,800 सिविल सेवकों को प्रशिक्षित करने के लिए 11 फरवरी, 2019 को राष्ट्रीय सुशासन केंद्र के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत, एन.सी.जी.जी. ने 983 बांग्लादेश सिविल सेवकों के प्रशिक्षण को कवर करके 25 बैचों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए हैं। वर्ष 2023-24 के दौरान, बांग्लादेश गणराज्य के 601 सिविल सेवकों वाले 14 बैचों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। एन.सी.जी.जी. ने मार्च 2024 तक बांग्लादेश में कुल 2600 सिविल सेवकों को प्रशिक्षित किया है । (अनुलग्नक- III)

मालदीव:

8 जून, 2019 को माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी की आधिकारिक राजकीय यात्रा के दौरान, भारत और मालदीव ने अगले 5 वर्षों में मालदीव के 1,000 सिविल सेवकों के लिए क्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम (सी.बी.टी.पी.) को लागू करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किए। इसके बाद, एन.सी.जी.जी. ने 32 क्षमता विकास कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक संचालन किया है, जिसमें उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के लिए एक कार्यक्रम और भ्रष्टाचार विरोधी आयोग (ए.सी.सी.), मालदीव और मालदीव के सूचना आयोग कार्यालय (आई.सी.ओ.एम.) के लिए दो विशेष कार्यक्रम शामिल हैं। वर्ष 2023-24 में, मालदीव गणराज्य के 369 सिविल सेवकों ने 11 बैचों में प्रशिक्षण प्राप्त किया है। एन.सी.जी.जी. ने मार्च 2024 तक मालदीव के 1005 सिविल सेवकों को प्रशिक्षित किया है।(अनुलग्नक - IV)

गाम्बिया:

राष्ट्रीय सुशासन केंद्र ने प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग और विदेश मंत्रालय के सहयोग से 18-23 सितंबर, 2023 तक गाम्बिया के 30 वरिष्ठ सिविल सेवकों के लिए सार्वजनिक नीति और शासन पर एक सप्ताह का क्षमता विकास कार्यक्रम आयोजित किया। इसके अलावा, गाम्बिया के 25 सिविल सेवकों ने अफ्रीकी क्षेत्र के सिविल सेवकों के लिए सार्वजनिक नीति और शासन पर ए.एल.डी.पी. में भी भाग लिया। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, एन.सी.जी.जी. द्वारा गाम्बिया के कुल 55 सिविल सेवकों को प्रशिक्षित किया गया है। कार्यक्रम को विशेष रूप से गाम्बिया की सिविल सेवा में निर्णय लेने वालों, जैसे स्थायी सचिवों, उनके डिप्टी, सचिवों और जनरलों को तेजी से जटिल और अन्योन्याश्रित दुनिया में प्रभावी सार्वजनिक नीति बनाने के लिए नवीनतम ज्ञान, कौशल और उपकरणों से लैस करने के लिए तैयार किया गया था। (अनुलग्नक-V)

कंबोडिया:

राष्ट्रीय सुशासन केंद्र (एन.सी.जी.जी.) विदेश मंत्रालय (एम.ई.ए.) के सहयोग से कंबोडिया के सिविल सेवकों के लिए सार्वजनिक नीति और शासन पर क्षमता विकास कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। एन.सी.जी.जी. ने वर्ष 2023-24 के दौरान अब तक कंबोडिया के कुल 156 सिविल सेवकों को शामिल करते हुए 4 कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक संचालन किया है। 22 अप्रैल 2024 को 5 वर्ष की अवधि के लिए सिविल सेवाओं में मानव संसाधन विकास के क्षेत्र में सहयोग पर किंग्डम ऑफ कंबोडिया के सिविल सेवा मंत्रालय और भारत सरकार के कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए ।= (अनुलग्नक - VI)

श्रीलंका:

श्रीलंका के वरिष्ठ सिविल सेवकों के लिए विशेष क्षमता विकास कार्यक्रम का पहला कार्यकारी बैच 12 फरवरी 2024 से 17 फरवरी 2024 तक आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में श्रीलंका के प्रधान मंत्री के सचिव श्री अनुरा दिसानायके के नेतृत्व में श्रीलंका के चौदह वरिष्ठ सिविल सेवक अधिकारियों ने भाग लिया और अन्य के अलावा इसमें प्रमुख विभागों और मंत्रालयों का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे जैसे कि डॉ धर्मश्री कुमारतुंगा, सचिव, प्रौद्योगिकी मंत्रालय; श्री प्रदीप यशरत्ना, सचिव, लोक प्रशासन मंत्रालय, गृह मामले, प्रांतीय परिषद और स्थानीय सरकार; श्री नालका कालुवेवे, महानिदेशक, श्रीलंका विकास प्रशासन संस्थान (एस.एल.आ.ई.डी.ए.)।

प्रतिभागियों को कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन राज्य मंत्री, डॉ जितेंद्र सिंह, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव; उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डी.पी.आई.आई.टी.) के सचिव; सी.ई.ओ. (यू.आई.डी.ए.आई.), सदस्य (नीति आयोग), सदस्य (लोकपाल); केंद्रीय सतर्कता आयोग के सचिव; और क्षमता विकास आयोग के सचिव, जिन्होंने अपने नेतृत्व के अनुभव साझा किए, द्वारा भी संबोधित किया गया।

एन.सी.जी.जी. द्वारा आयोजित श्रीलंका के सिविल सेवकों के लिए दो सप्ताह का दूसरा क्षमता विकास कार्यक्रम 8 मार्च, 2024 को संपन्न हुआ। मसूरी और नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में निदेशक, उप निदेशक, नगरपालिका सचिव, मंडल सचिव, सहायक मंडल सचिव, उपायुक्त, उप भूमि आयुक्त, प्रांतीय निदेशक, सहायक मुख्य सचिव, प्रांतीय खेल निदेशक के रूप में कार्यरत 40 अधिकारी शामिल हुए। श्रीलंका के सिविल सेवकों के लिए क्षमता विकास कार्यक्रम विदेश मंत्रालय के आई.टी.ई.सी. कार्यक्रम के तहत आयोजित किए जा रहे हैं। 2023-24 के दौरान श्रीलंका के कुल 54 सिविल सेवकों को एन.सी.जी.जी. द्वारा प्रशिक्षित किया गया । (अनुलग्नक -VII)

बहुदेशीय कार्यक्रम:

2024 में, एन.सी.जी.जी. ने अफ्रीकी देशों के लिए सार्वजनिक नीति और शासन पर अपना पहला उन्नत नेतृत्व विकास कार्यक्रम शुरू किया। इस दो सप्ताह के कार्यक्रम में सेशेल्स, इरिट्रिया, केन्या, इथियोपिया, तंजानिया और गाम्बिया सहित छह अफ्रीकी देशों के 34 सिविल सेवकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में अफ्रीकी अधिकारियों के बीच नेतृत्व कौशल विकसित करने और सार्वजनिक नीति विशेषज्ञता को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया । (अनुलग्नक -VIII)

II. घरेलू क्षमता विकास कार्यक्रम

भारतीय संस्थानों के साथ सहयोग:

एन.सी.जी.जी. ने भारत में अग्रणी सार्वजनिक नीति संस्थानों के साथ साझेदारी विकसित की है, जिसमें भारतीय प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज (ए.एस.सी.आई.) और प्रतिष्ठित संस्थान शामिल हैं। इन सहयोगों के कारण राज्य क्षमता विकास कार्यक्रमों को बढ़ावा मिला है। ये केंद्र विभिन्न राज्यों में प्रशासनिक कौशल और शासन प्रथाओं को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

राज्यों में क्षमता विकास:

- **जम्मू और कश्मीर:** 2,000 वरिष्ठ अधिकारियों को प्रशिक्षित करने के लिए हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के हिस्से के रूप में, एन.सी.जी.जी. ने जनवरी 2024 तक तीन क्षमता विकास कार्यक्रम आयोजित किए। इन कार्यक्रमों में कुल 113 वरिष्ठ अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया और इन्हें जम्मू और कश्मीर में सिविल सेवकों के बीच सार्वजनिक नीति और शासन कौशल में सुधार करने के लिए डिज़ाइन किया गया था, जिससे क्षेत्र में प्रभावी शासन का समर्थन किया जा सके। (अनुलग्नक-IX)
- **अरुणाचल प्रदेश:** एन.सी.जी.जी. ने अरुणाचल प्रदेश में सिविल सेवकों के लिए दिसंबर 2023 तक दो क्षमता विकास कार्यक्रम भी आयोजित किए हैं। इन कार्यक्रमों में 62 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया, जिसका उद्देश्य प्रशासनिक क्षमता का विकास करना और शासन प्रथाओं में सुधार करना था, जिससे इन राज्यों में अधिक प्रभावी लोक प्रशासन में योगदान दिया जा सके। विवरण अनुलग्नक -X में दिया गया है।

ये गतिविधियाँ रणनीतिक सहयोग और व्यापक क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय, दोनों स्तरों पर शासन और लोक प्रशासन को बढ़ाने के लिए एन.सी.जी.जी. की सतत प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

III. जानकारी भ्रमण

क्षमता विकास कार्यक्रमों के भाग के रूप में, प्रतिभागियों को कई तरह के परिचयात्मक दौरा (एक्सपोज़र विज़िट) से लाभ मिलता है जो उनके कक्षा प्रशिक्षण के पूरक होते हैं। ये यात्राएँ, भारत के इतिहास, संस्कृति और हाल की तकनीकी और अवसंरचनात्मक प्रगति की व्यापक समझ प्रदान करती हैं। प्रमुख क्षेत्र यात्राओं में शामिल हैं:

- **जिला भ्रमण:** प्रतिभागी जिला अटैचमेंट कार्यक्रम में भाग लेते हैं, जिला और उपमंडल स्तर पर काम-काज और प्रशासन का अवलोकन करते हैं।
- **महत्वपूर्ण स्थान:** प्रमुख स्थानों और उल्लेखनीय संस्थानों में जानकारी भ्रमण आयोजित किए जाते हैं जैसे:
    - भारतीय चुनाव आयोग (ई.सी.आई.)
    - दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डी.एम.आर.सी.)
    - केंद्रीय सूचना आयोग (सी.आई.सी.)
    - जीरो एनर्जी बिल्डिंग, पर्यावरण भवन
    - नई दिल्ली नगर निगम (एन.डी.एम.सी.)
    - अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स)
    - किसी नजदीकी राज्य का जिला प्रशासन
    - नया संसद भवन और संविधान सभा
    - प्रधान मंत्री संग्रहालय
    - मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एम.डी.एन.आई.वाई.)
    - इंटरनेशनल सोलर एलायंस

स्थानीय दर्शनीय स्थलों की यात्रा: अधिकारी, आगरा में ताजमहल का दौरा करते हुए और क्षेत्रीय विरासत और संस्कृति की सराहना करने के साथ-साथ स्थानीय आकर्षणों का पता लगाते हुए।

IV. राष्ट्रीय सुशासन वेबिनार श्रृंखला (एन.जी.जी.डब्ल्यू.एस.)

एन.सी.जी.जी. ने अपनी सफल राष्ट्रीय सुशासन वेबिनार श्रृंखला जारी रखी, जिसमें प्रधान मंत्री पुरस्कार विजेता पहलों को प्रदर्शित किया गया। 2022 में, 09 वेबिनार आयोजित किए गए, जिसमें 18 पुरस्कार विजेता शामिल थे। यह 2023 में 10 वेबिनार तक बढ़ गया और 2024 में एक वेबिनार आयोजित किया गया। इन वेबिनार में 16,000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें नवीन शासन प्रथाओं पर प्रकाश डाला गया और लोक अधिकारियों और हितधारकों के बीच ज्ञान साझा करने के लिए एक मंच प्रदान किया गया। इन वेबिनारों ने सुशासन पहल के तहत विभिन्न विषयों पर प्रकाश डाला, जिसे लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधान मंत्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सेवाओं जैसे विविध क्षेत्रों को कवर करते हुए, वेबिनार में राज्यों की असाधारण उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया। मुख्य लक्ष्य सर्वोत्तम प्रथाओं और पुरस्कार विजेता उदाहरणों को साझा करना था, जिससे अन्य राज्यों को अपनी शासन प्रथाओं को दोहराने और बढ़ाने के लिए मॉडल प्रदान किए जा सकें। इन वेबिनार में विभिन्न राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में प्रतिकृति को प्रेरित करने और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए पुरस्कार विजेता प्रथाओं को दर्शाया गया।

प्रधान मंत्री पुरस्कार विजेता पहलों पर राष्ट्रीय सुशासन वेबिनार श्रृंखला का विवरण (अनुलग्नक-XIII)

1. 27 अप्रैल, 2023 को राष्ट्रीय सुशासन वेबिनार श्रृंखला (एन.जी.जी.डब्ल्यू.एस.) में 13वां वेबिनार आयोजित किया गया। इसमें दो मुख्य विषयों पर ध्यान केंद्रित किया गया: लद्दाख सरकार द्वारा "फसल उगाने के लिए कुशल ग्रीनहाउस का निर्माण" पहल और गुजरात सरकार द्वारा विद्या समीक्षा केंद्र के माध्यम से "स्कूल शिक्षा प्रणाली का डेटा-संचालित परिवर्तन"। लद्दाख पहल ने ग्रीनहाउस विकसित करके खाद्य सुरक्षा और आजीविका के मुद्दों का समाधान किया जो सर्दियों में भी शून्य से ऊपर के तापमान को बनाए रखते हैं, जिससे साल भर कई तरह की फसलें उगाई जा सकती हैं। गुजरात पहल ने शैक्षिक शासन को बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी और डेटा-संचालित सुधारों को लागू किया, जिसके परिणामस्वरूप व्यापक स्कूल उत्कृष्टता डैशबोर्ड के उपयोग के माध्यम से बेहतर निगरानी, जवाबदेही और शैक्षिक परिणाम प्राप्त हुए।

2. 26 मई 2023 को राष्ट्रीय सुशासन वेबिनार श्रृंखला 2.0 में 14वां वेबिनार आयोजित किया गया, जिसमें जिला-स्तरीय नवाचारों पर ध्यान केंद्रित किया गया। वेबिनार में दो प्रधान मंत्री पुरस्कार विजेता पहलों को शामिल किया गया। उत्तर प्रदेश के रामपुर के जिला मजिस्ट्रेट श्री रविन्द्र कुमार मंदर द्वारा पहली प्रस्तुति में "संवर्धन - वोकल फॉर लोकल" का प्रदर्शन किया गया, जिसका उद्देश्य एकीकृत पोषण सहायता, सामुदायिक जुटाव और प्रौद्योगिकी-संचालित निगरानी के माध्यम से कुपोषण का मुकाबला करना है। अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग के डिप्टी कमिश्नर श्री सनी के. सिंह द्वारा दूसरी प्रस्तुति में "न्यू एज लर्निंग सेंटर" का परिचय दिया गया, जो निरक्षरता को मिटाने और ड्रॉपआउट दरों को कम करने के लिए मुफ़्त, लचीले अधिगम स्थल प्रदान करता है। दोनों पहलों के अपने समुदायों पर महत्वपूर्ण सकारात्मक प्रभाव देखे गए और पूरे देश में मॉडल के रूप में अनुकरणीय है।

3. 30 जून, 2023 को राष्ट्रीय सुशासन वेबिनार श्रृंखला के 15वें वेबिनार में "समग्र शिक्षा" विषय पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहलों पर प्रकाश डाला गया। उत्तर प्रदेश के चित्रकूट के जिला कलेक्टर श्री अभिषेक आनंद ने "प्रोजेक्ट पाठ" प्रस्तुत किया, जिसका उद्देश्य सामुदायिक भागीदारी और प्रौद्योगिकी एकीकरण के माध्यम से मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता को बढ़ाना है। गुजरात के मेहसाणा के जिला कलेक्टर श्री एम. नागराजन ने लक्षित हस्तक्षेप और शिक्षक प्रशिक्षण के साथ प्राथमिक विद्यालयों में साक्षरता और संख्यात्मकता में सुधार के लिए पहलों का प्रदर्शन किया।

4. 28 जुलाई, 2023 को राष्ट्रीय सुशासन वेबिनार श्रृंखला के 16वें वेबिनार में "नवाचार - जिला" विषय पर ध्यान केंद्रित किया गया। सत्र में दो पीएम पुरस्कार विजेता पहलों पर प्रकाश डाला गया। पहली प्रस्तुति आगरा के जिला मजिस्ट्रेट श्री नवनीत सिंह चहल ने दी, जिसमें उत्तर प्रदेश के चंदौली में "ब्लैक राइस पहल" को प्रदर्शित किया गया, जिसने उच्च मूल्य वाले काले चावल की खेती के माध्यम से किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। दूसरी प्रस्तुति मुंबई की पुलिस उपायुक्त श्रीमती तेजस्वी सतपुते ने दी, जिसमें महाराष्ट्र के सोलापुर से "ऑपरेशन परिवर्तन" को दिखाया गया, जिससे समुदाय अवैध शराब के व्यापार से सफलतापूर्वक सम्मानजनक आजीविका की ओर आए।

5. 31 अगस्त, 2023 को राष्ट्रीय सुशासन वेबिनार श्रृंखला में 17वें वेबिनार में "आकांक्षी जिला कार्यक्रम" विषय पर ध्यान केंद्रित किया गया। सत्र में पीएम की दो पुरस्कार विजेता पहलों पर प्रकाश डाला गया। पहली प्रस्तुति जम्मू और कश्मीर के बारामुल्ला के उपायुक्त डॉ. सैयद सेहरिश असगर ने दी, जिसमें स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और कृषि में सुधार सहित जिले के व्यापक विकास प्रयासों को प्रदर्शित किया गया। दूसरी प्रस्तुति झारखंड के गुमला के उपायुक्त श्री सुशांत गौरव ने दी, जिसमें कृषि, स्वास्थ्य सेवा और बुनियादी ढांचे में उल्लेखनीय प्रगति के साथ जिले के समग्र विकास दृष्टिकोण को दिखाया गया।

6. 27 अक्टूबर, 2023 को राष्ट्रीय सुशासन वेबिनार श्रृंखला में 18वें वेबिनार का आयोजन "स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों के माध्यम से ‘’स्वस्थ भारत - आयुष्मान भारत" विषय के तहत किया गया। सत्र में पीएम की दो पुरस्कृत पहलों पर प्रकाश डाला गया। पहली प्रस्तुति आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली के पूर्व जिला कलेक्टर श्री पट्टानशेट्टी रवि सुभाष ने दी, जो स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों (एच.डब्ल्यू.सी.) के माध्यम से स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने पर केंद्रित थी। इस पहल का उद्देश्य निवारक देखभाल, स्वास्थ्य शिक्षा और घर-आधारित उपशामक देखभाल पर ध्यान केंद्रित करते हुए स्वास्थ्य देखभाल की पहुंच को बढ़ाना था। इससे टेलीमेडिसिन और कल्याण गतिविधियों सहित प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और प्रभाव में सफलतापूर्वक वृद्धि हुई। नागपुर स्मार्ट एंड सस्टेनेबल सिटी डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के सीईओ श्री पृथ्वीराज बीपी ने दूसरी प्रस्तुति में महाराष्ट्र के लातूर जिले में एच.डब्ल्यू.सी. के कार्यान्वयन को कवर किया। पहल ने मानसिक स्वास्थ्य सहायता और कल्याण गतिविधियों सहित व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल पर जोर दिया। प्रमुख उपलब्धियों में मौजूदा स्वास्थ्य केंद्रों को कार्यात्मक स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों में परिवर्तित करना तथा कैंसर स्क्रीनिंग और दूरसंचार बुनियादी ढांचे जैसी सेवाओं का विस्तार करना शामिल है।

7. 28 नवंबर, 2023 को आयोजित 19वीं राष्ट्रीय सुशासन वेबिनार श्रृंखला, "जिला स्तर पर नवाचार" पर केंद्रित थी, जिसमें पीएम पुरस्कार विजेता पहलों को प्रदर्शित किया गया। इसमें पश्चिम चंपारण, बिहार और बोंगाईगांव, असम की अभिनव प्रथाओं को दर्शाया गया। बिहार के चनपटिया में नवप्रवर्तन स्टार्टअप ज़ोन ने स्थानीय उद्यमिता के लिए एक संरचित माहौल बनाकर , 52 से अधिक स्टार्टअप की सुविधा प्रदान करके और महत्वपूर्ण रोजगार सृजित करके वापस लौटे प्रवासियों का समर्थन किया। इस बीच, बोंगाईगांव में प्रोजेक्ट सम्पूर्णा ने समुदाय-संचालित अप्रौच के माध्यम से कुपोषण से बचाव, जिससे बाल स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार हुआ। इस सत्र में फ्रांस के प्रशासनिक सुधारों की अंतर्दृष्टि भी शामिल थी, जिसे फ्रांसीसी सिविल सेवकों द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिसमें उनकी परिवर्तन नीतियों पर प्रकाश डाला गया।

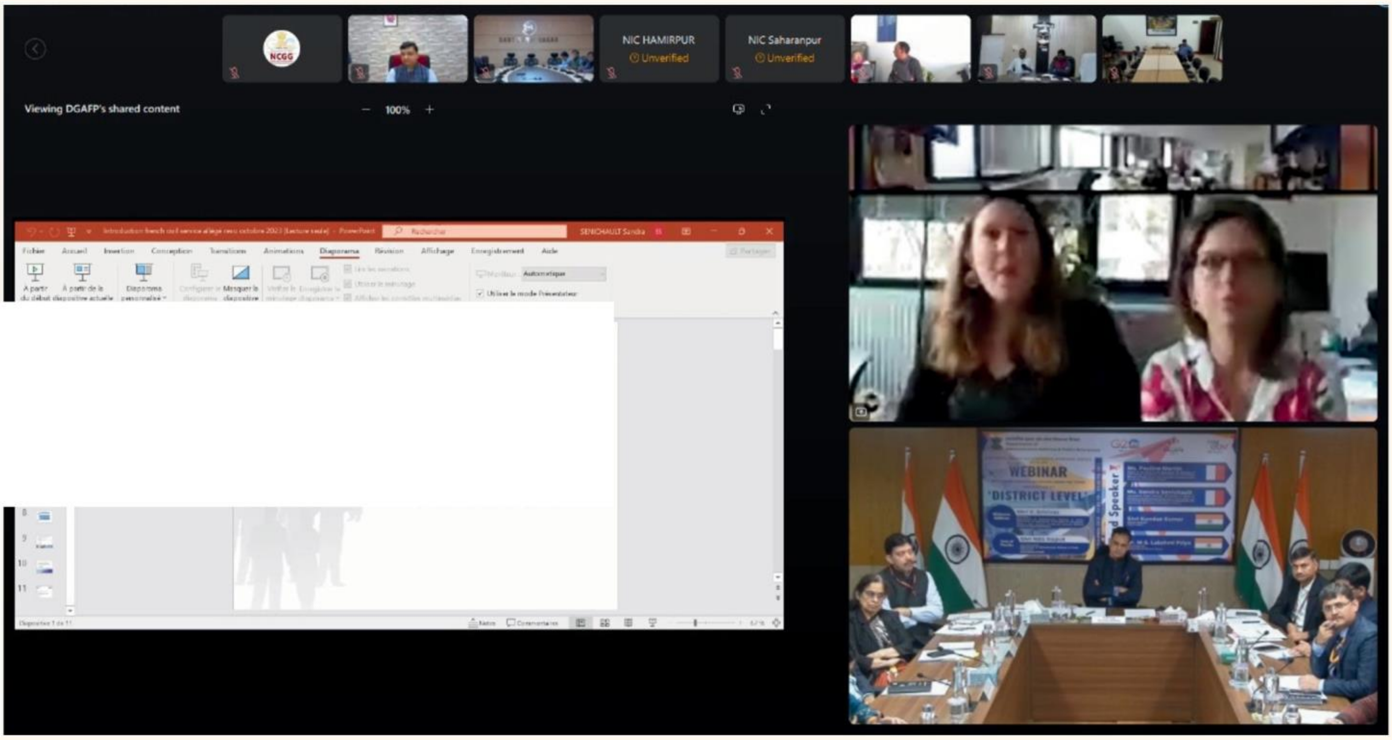

8. 31 जनवरी, 2024 को आयोजित 20वें राष्ट्रीय सुशासन वेबिनार में खेलो इंडिया योजना के परिवर्तनकारी प्रभाव को प्रदर्शित किया गया। प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (डी.ए.आर.पी.जी.) के सहयोग से राष्ट्रीय सुशासन केंद्र (एन.सी.जी.जी.) द्वारा आयोजित इस सत्र में दो अनुकरणीय जिलों राजस्थान में चुरू और मणिपुर में बिष्णुपुर पर प्रकाश डाला गया। राजस्थान के मुख्यमंत्री के संयुक्त सचिव श्री सिद्धार्थ सिहाग ने खेल विकास में चुरू की महत्वपूर्ण प्रगति के बारे में विस्तार से बताया, जिसमें खेल अवसंरचना की स्थापना और राष्ट्रीय स्तर की उपलब्धियों में उल्लेखनीय वृद्धि शामिल है। इसके विपरीत, बिष्णुपुर के जिला कलेक्टर श्री लौरेम्बम बिक्रम ने यह प्रस्तुत किया है कि कैसे उनके जिले ने स्वदेशी खेलों को बढ़ावा देने और सामुदायिक कल्याण में सुधार करने के लिए खेलो इंडिया का आधार बनाया है, जिससे चुनौतियों के बावजूद रोजगार और खेल भागीदारी में वृद्धि जैसे उल्लेखनीय परिणाम सामने आए हैं। वेबिनार ने विभिन्न क्षेत्रों में एथलेटिक उत्कृष्टता और सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देने में खेलो इंडिया योजना की भूमिका को रेखांकित किया।

V. प्रकाशन

- **एन.जी.जी.डब्ल्यू. (राष्ट्रीय सुशासन वेबिनार) कार्यवाही रिपोर्ट:** आठ विस्तृत कार्यवाही रिपोर्ट तैयार की गई हैं, जिनमें राष्ट्रीय सुशासन वेबिनारों की मुख्य चर्चाओं, निष्कर्षों और सिफारिशों का सारांश दिया गया है। यह रिपोर्ट महत्वपूर्ण शासन संबंधी मुद्दों का अन्वेषण करती है, सर्वोत्तम प्रथाओं और लोक प्रशासन पर प्रभावी शासन के प्रभाव के बारे में जानकारी प्रदान करती हैं। (अनुलग्नक - XIII)
- **इंटर्नशिप प्रोग्राम शोध पत्र – पहला बैच:** प्रशिक्षुओं के पहले बैच द्वारा कुल बारह शोध पत्र तैयार किए गए। ये शोध पत्र विविध विषयों पर उनके गहन विश्लेषण को दर्शाते हैं, समकालीन शासन चुनौतियों के लिए नए दृष्टिकोण और व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत करते हैं। प्रत्येक शोध पत्र में नीति निर्माण, कार्यान्वयन और सार्वजनिक प्रबंधन के विशिष्ट पहलुओं पर विस्तार से बताया गया है, जो लोक प्रशासन पर चर्चा में योगदान देता है। (अनुलग्नक - XIV)
- **इंटर्नशिप प्रोग्राम शोध पत्र – दूसरा बैच:** दूसरे बैच के प्रशिक्षुओं द्वारा सात शोध पत्र प्रस्तुत किए गए हैं। इन शोध पत्रों में शासन सुधारों के लिए नवीन दृष्टिकोणों पर प्रकाश डाला गया है तथा सार्वजनिक संस्थाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही और कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए नए मॉडल को तलाशा गया है। शोध के परिणाम विभिन्न स्तरों पर शासन फ्रेमवर्कों को मजबूत करने के लिए चल रहे प्रयासों के अनुरूप हैं। (अनुलग्नक - XIV)

VI. सहयोग

अंतरराष्ट्रीय सहयोग: एन.सी.जी.जी. ने विकासशील देशों के साथ सहयोग पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपनी अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी को आगे बढ़ाना जारी रखा है। सार्वजनिक नीति और शासन में ज्ञान और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और सरकारी निकायों के साथ संबंध स्थापित करने और उन्हें मजबूत करने के प्रयास किए गए। (अनुलग्नक - XV)

VII. आउटरीच गतिविधियाँ

1. अंतरराष्ट्रीय दौरा:

31 मार्च से 1 अप्रैल, 2023 तक, एन.सी.जी.जी. के महानिदेशक श्री भरत लाल के नेतृत्व में एक शिष्टदल ने श्रीलंका सरकार के निमंत्रण पर कोलंबो का दौरा किया। यात्रा के दौरान, उन्होंने नीति सुधार, सुशासन, डिजिटलीकरण, क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण, संस्था निर्माण और सार्वजनिक सेवा सुपुर्दगी सहित विभिन्न विषयों पर श्रीलंकाई सिविल सेवकों के साथ चर्चा की। श्रीलंका के राष्ट्रपति एच. ई. रानिल विक्रमसिंघे ने भी शिष्टदल से मुलाकात की, भारत की सामाजिक-आर्थिक प्रगति की प्रशंसा की और श्रीलंका के यूनिवर्सिटी ऑफ गवर्नेंस एंड पब्लिक पॉलिसी की स्थापना के साथ-साथ श्रीलंका के सिविल सेवकों की कार्यक्षमता बढ़ाने में एन.सी.जी.जी. के समर्थन का अनुरोध किया।

VIII. संस्थागत विकास

1. राष्ट्रीय सुशासन ग्रिड की स्थापना

तालमेल बढ़ाने और प्रयासों के दोहराव को रोकने के लिए, राष्ट्रीय सुशासन केंद्र (एन.सी.जी.जी.) का एक राष्ट्रव्यापी नेटवर्क स्थापित करने का प्रस्ताव है जो सार्वजनिक नीति, सुधार, सुशासन और क्षमता विकास में शामिल विभिन्न संस्थानों को एक साथ लाता है। इस नेटवर्क में डोमेन विशेषज्ञ शामिल होंगे और व्यापक प्रसार के लिए ज्ञान, विचारों, सर्वोत्तम प्रथाओं और केस स्टडीज़ को क्यूरेट करने, चर्चा करने और उनका प्रलेखन करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। एन.सी.जी.जी. का उद्देश्य शासन संबंधी मुद्दों को हल करने और स्थानीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नीतिगत फ्रेमवर्कों को तैयार करने के लिए विशेषज्ञता और समाधानों के आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाना है। एक संस्थान या राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों की विशेषज्ञता और सीख को दूसरों के साथ साझा करके, नेटवर्क प्रभावी प्रथाओं को अपनाने और बढ़ाने में सहायता करेगा।

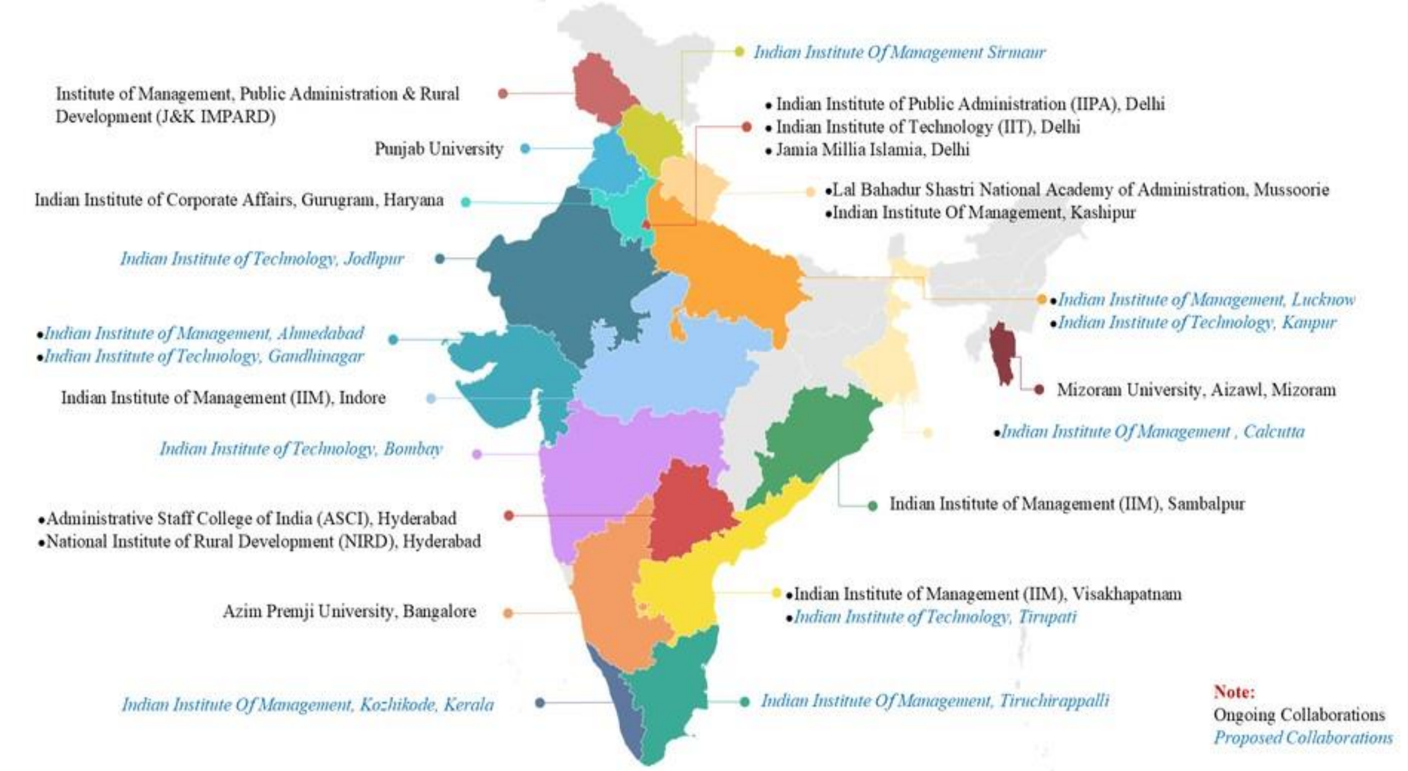

इस पहल के हिस्से के रूप में, एन.सी.जी.जी. राष्ट्रीय सुशासन ग्रिड की मेजबानी करेगा, जिसे नीति सुधारों और शासन सुधारों के लिए कैटेलिस्ट के रूप में कार्य करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह ग्रिड सभी हितधारकों के लिए मूल्यवान ज्ञान, विचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं के रिपोजिटरी के रूप में कार्य करेगा। इस पहल में राज्य क्षमता निर्माण कार्यक्रमों को बढ़ाने के लिए उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने के लिए एएससीआई और आई.आई.टी./आई.आई.एम. जैसे घरेलू संस्थानों के साथ सहयोग करना शामिल है। इस योजना में छह क्षेत्रीय और विषयगत कार्यशालाओं के आयोजन के साथ-साथ प्रासंगिक हितधारकों को शामिल करने और देश भर में शासन प्रथाओं को बढ़ाने में सहयोगी प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन करना शामिल है।

2. नेतृत्व विकास कार्यक्रम में विज्ञान और तकनीकी (लीड्स)

विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नेतृत्व विकास कार्यक्रम (लीड्स) राष्ट्रीय सुशासन केंद्र (एन.सी.जी.जी.) और भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आई.एन.एस.ए.) के बीच एक सहयोगात्मक पहल है। जुलाई 2023 में शुरू किए गए इस अग्रणी कार्यक्रम का उद्देश्य मिड-कैरियर के वैज्ञानिकों को भारतीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी के जटिल परिदृश्य को समझने के लिए आवश्यक नेतृत्व कौशल और जानकारी से सुसज्जित करना है। 12 से 18 जुलाई, 2023 तक नई दिल्ली में आयोजित एक सप्ताह का पूर्ण आवासीय कार्यक्रम, जिसमें विभिन्न सरकारी प्रयोगशालाओं और शैक्षणिक संस्थानों के 44 वैज्ञानिक एक साथ शामिल हुए। इस आयोजन में, प्रशासन, नीति निर्माण और रणनीतिक निर्णय लेने जैसे विषयों पर विशेषज्ञों के साथ कार्यशालाएँ, सेमिनार और पारस्परिक विचार-विमर्श किया गया। लीड्स कार्यक्रम की सफलता भविष्य के वैज्ञानिक नेताओं को नर्चरिंग करने और अंतःविषय सहयोग को बढ़ावा देने में इसकी भूमिका को उजागर करती है, जिससे यह भारत के वैज्ञानिक समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण ऐसेट बन जाती है। (अनुलग्नक-XI)

3. प्रशिक्षण कार्यक्रम

एन.सी.जी.जी. इंटर्नशिप प्रोग्राम एक अल्पकालिक पहल है जिसे महत्वाकांक्षी नीति निर्माताओं को सार्वजनिक नीति और शासन में एक परिवर्तनकारी अनुभव को साझा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसका उद्देश्य एक सहयोगात्मक माहौल को बढ़ावा देना है जहाँ शासन चुनौतियों पर नवीन विचार और परिप्रेक्ष्य विकसित किए जाते हैं। वित्त वर्ष 2023-24 में, एन.सी.जी.जी. ने दो सफल बैच आयोजित किए। पहला बैच 7 जून से 8 सितंबर, 2023 तक चला, जिसमें हार्वर्ड लॉ स्कूल और टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के 13 इंटर्न शामिल थे। इंटर्न ने जलवायु परिवर्तन और शहरी योजना जैसे विषयों पर शोध किया और विस्तृत रिपोर्ट तैयार की। 9 अक्टूबर, 2023 से 17 जनवरी, 2024 तक चलने वाले दूसरे बैच में 300 से अधिक आवेदकों में से सात चयनित उम्मीदवार शामिल थे। उन्हें विशेषज्ञों से मार्गदर्शन मिला और उन्होंने डोमेन-विशिष्ट शोध पर ध्यान केंद्रित किया, महत्वपूर्ण शासन मुद्दों पर उच्च-गुणवत्ता वाले शोधपत्र तैयार किए। कुल मिलाकर, एन.सी.जी.जी. इंटर्नशिप कार्यक्रम ने सार्वजनिक प्रशासन में भविष्य के नेताओं के विकास में योगदान करते हुए मूल्यवान शिक्षण अनुभव को साझा किया है। (अनुलग्नक -XII)

4. प्रमुख संस्थानों के साथ साझेदारी

अपने अधिदेश के हिस्से के रूप में, केंद्र अपनी आउटरीच का विस्तार करना जारी रखता है और राष्ट्रव्यापी अनुसंधान और क्षमता विकास पहलों को बढ़ाने के लिए समान विचारधारा वाले संगठनों और शैक्षणिक संस्थानों के साथ साझेदारी करता है। एन.सी.जी.जी. के पास वर्तमान में विभिन्न संस्थानों के साथ 13 समझौता ज्ञापन प्रचालन में हैं और यह आईआईएम और आईआईटी सहित प्रमुख संगठनों के साथ नए सहयोग को सक्रिय रूप से आगे बढ़ा रहा है। नई साझेदारियां अनुसंधान क्षमताओं को मजबूत करेंगी और सहयोग के लिए बहुआयामी अप्रोच के माध्यम से एन.सी.जी.जी. के प्रभाव को व्यापक बनाएंगी। (अनुलग्नक -XV)

5. अवसंरचना विकास

हाल के वर्षों में, एन.सी.जी.जी. ने खुद को घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों सिविल सेवकों की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए एक अग्रणी संस्थान के रूप में स्थापित किया है। अपने अधिदेश के अनुरूप, एन.सी.जी.जी. नीतिगत मुद्दों, शासन, अनुसंधान, क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण, संचार, आउटरीच और साक्ष्य-आधारित निर्णय लेने सहित विभिन्न डोमेन में अपनी गतिविधियों का विस्तार कर रहा है। इन प्रयासों का उद्देश्य एन.सी.जी.जी. को विश्व स्तरीय संस्थान के रूप में स्थापित करना है।

इन गतिविधियों का समर्थन करने के लिए, एन.सी.जी.जी. अपने भौतिक अवसंरचना को बढ़ा रहा है। प्रधान कार्यालय, जो पहले 2014 से पुराने जेएनयू परिसर में डीओपीटी प्रशिक्षण प्रभाग में स्थित था, मार्च 2024 में एनडीसीसी II बिल्डिंग, जय सिंह रोड, नई दिल्ली में एक नए कार्यालय स्थान में वार्षिक किराये के आधार पर स्थानांतरित हो गया है। मसूरी परिसर वार्षिक किराये के आधार पर एल.बी.एस.एन.ए.ए. परिसर के भीतर स्थित है।

6. वित्त

प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (डी.ए.आर.पी.जी.) और वित्त मंत्रालय ने एन.सी.जी.जी. को विश्व स्तरीय संस्थान बनाने के लिए अपनी सहमति दी है। इसकी गतिविधियों के निष्पादन को सुविधाजनक बनाने के लिए, सरकार ने एन.सी.जी.जी. के लिए सहायता अनुदान को 2022-23 में ₹11.81 करोड़ से बढ़ाकर 2023-24 के बजट अनुमान (बी.ई.) में ₹18.98 करोड़ कर दिया है।

अनुलग्नक- I

राष्ट्रीय सुशासन केंद्र के शासी निकाय के सदस्य

1	कैबिनेट सचिव	अध्यक्ष
2	सचिव, प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग	उपाध्यक्ष
3	सचिव, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग	सदस्य
4	सचिव, ग्रामीण विकास विभाग	सदस्य
5	सचिव, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय	सदस्य
6	सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग	सदस्य
7	सचिव, उच्च शिक्षा विभाग	सदस्य
8	सचिव, आर्थिक कार्य विभाग	सदस्य
9	सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	सदस्य
10	सचिव, कृषि, सहकारिता एवं परिवार कल्याण विभाग	सदस्य
11	शिक्षाविद/प्रख्यात प्रशासक/विशेषज्ञ/प्रख्यात नवप्रवर्तक/प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रमुख	सदस्य (5)
12	महानिदेशक, एन.सी.जी.जी.	सदस्य - सचिव

अनुलग्नक- II

राष्ट्रीय सुशासन केंद्र की प्रबंधन समिति के पदेन सदस्य

1	सचिव, प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग	अध्यक्ष
2	सचिव समन्वय, कैबिनेट सचिवालय	सदस्य
3	विशेष सचिव एवं वित्त सलाहकार (गृह मंत्रालय)	सदस्य
	सचिव या उनके द्वारा नामित व्यक्ति जो संयुक्त सचिव स्तर से नीचे न हों	
4	कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग	सदस्य
5	ग्रामीण विकास विभाग	सदस्य
6	आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय	सदस्य
7	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग	सदस्य
8	उच्च शिक्षा विभाग	सदस्य
9	आर्थिक कार्य विभाग	सदस्य
10	इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	सदस्य
11	कृषि, सहकारिता एवं परिवार कल्याण विभाग	सदस्य
12	महानिदेशक, एन.सी.जी.जी.	सदस्य

अनुलग्नक- III

तालिका : बांग्लादेश के सिविल सेवकों के लिए क्षमता विकास कार्यक्रमों (सी.बी.पी.) का विवरण

क्रम सं.	बैच	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1	58वां सी.बी.पी.	25 अप्रैल - 06 मई 2023	45
2	59वां सी.बी.पी.	08-19 मई 2023	45
3	60वां सी.बी.पी.	22 मई - 02 जून 2023	45
4	61वां सी.बी.पी.	05- 16 जून 2023	45
5	62 वां सी.बी.पी.	19- 30 जून 2023	43
6	63 वां सी.बी.पी.	03-14 जुलाई 2023	44
7	64 वां सी.बी.पी.	17-28 जुलाई 2023	45
8	65वां सी.बी.पी.	31 जुलाई- 11 अगस्त 2023	44
9	66वां सी.बी.पी.	01-12 अगस्त 2023	38
10	67वां सी.बी.पी.	21 अगस्त - 01 सितंबर 2023	43
11	68वां सी.बी.पी.	22 अगस्त - 02 सितंबर 2023	36
12	69वां सी.बी.पी.	05-16 फरवरी 2024	45
13	70वां सी.बी.पी.	06-17 फरवरी 2024	40
14	71वां सी.बी.पी.	04- 15 मार्च 2024	43

अनुलग्नक- IV

तालिका : मालदीव के सिविल सेवकों के लिए क्षमता विकास कार्यक्रमों (सी.बी.पी.) का विवरण

क्रम सं.	बैच	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1	22वां और 23वां सी.बी.पी.	08-19 मई 2023	50
2	24 वां सी.बी.पी.	12-23 जून 2023	40
3	वरिष्ठ सिविल सेवकों के लिए 25 वां सी.बी.पी.	05-09 जुलाई 2023	26
4	भ्रष्टाचार निरोधक आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए प्रथम सी.बी.पी.	17- 22 जुलाई 2023	29
5	सिविल सेवकों के लिए 26 वां सी.बी.पी.	24 जुलाई- 04 अगस्त 2024	38
6	सिविल सेवकों के लिए 27 वां सी.बी.पी.	14 - 25 अगस्त 2023	40
7	मालदीव के सूचना आयोग कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए सी.बी.पी.	23 - 27 अक्टूबर 2023	26
8	सिविल सेवकों के लिए 28 वां सी.बी.पी.	30 अक्टूबर - 10 नवंबर 2023	40
9	सिविल सेवकों के लिए 29 वां सी.बी.पी.	11-16 दिसंबर 2023	40
10	सिविल सेवकों के लिए 32 वां सी.बी.पी.	05- 09 फरवरी 2024	40

अनुलग्नक- V

तालिका : गाम्बिया के सिविल सेवकों के लिए क्षमता विकास कार्यक्रम (सी.बी.पी.) का विवरण

क्र.सं.	बैच	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1	सार्वजनिक नीति और शासन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	18-23 सितंबर, 2023	33

अनुलग्नक- VI

तालिका : कंबोडिया के सिविल सेवकों के लिए क्षमता विकास कार्यक्रमों (सी.बी.पी.) का विवरण

क्रम सं.	बैच	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1	प्रथम सी.बी.पी.	11-22 दिसंबर 2023	40
2	दूसरा सी.बी.पी.	26 दिसंबर 2023- 06 जनवरी 2024	39
3	तीसरा सी.बी.पी.	08-19 जनवरी 2024	38
4	चौथा सी.बी.पी.	26 मार्च - 06 अप्रैल 2024	39

अनुलग्नक- VII

तालिका : श्रीलंका के सिविल सेवकों के लिए क्षमता विकास कार्यक्रमों (सी.बी.पी.) का विवरण

क्रम सं.	बैच	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1	प्रथम सी.बी.पी.	12-17 फरवरी 2024	14
2	दूसरा सी.बी.पी.	26 फरवरी- 08 मार्च 2024	40

अनुलग्नक- VIII

तालिका : अफ्रीकी क्षेत्र के विभिन्न देशों के सिविल सेवकों के लिए क्षमता विकास कार्यक्रमों (सी.बी.पी.) का विवरण

क्रम सं.	बैच	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1	सिविल सेवकों के लिए सार्वजनिक नीति और शासन पर उन्नत नेतृत्व विकास कार्यक्रम	22 जनवरी - 02 फरवरी 2024	33

अनुलग्नक- IX

तालिका : जम्मू और कश्मीर के सिविल सेवकों के लिए फील्ड एडमिनिस्ट्रेशन में क्षमता विकास कार्यक्रमों (सी.बी.पी.) का विवरण

क्रम सं.	बैच	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1	6वां सी.बी.पी.	09-20 अक्टूबर 2023	37
2	7वां सी.बी.पी.	27 नवंबर - 08 दिसंबर 2023	39
3	8वां सी.बी.पी.	08-20 जनवरी 2024	37

अनुलग्नक- X

तालिका : अरुणाचल प्रदेश के सिविल सेवकों के लिए फील्ड एडमिनिस्ट्रेशन में क्षमता विकास कार्यक्रमों (सी.बी.पी.) का विवरण

क्रम सं.	बैच	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1	तीसरा सी.बी.पी.	18-23 सितंबर 2023	32
2	चौथा सी.बी.पी.	20 नवंबर - 01 दिसंबर 2023	30

अनुलग्नक- XI

तालिका : विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर एन.सी.जी.जी. – आई.एन.एस.ए. नेतृत्व विकास कार्यक्रमों (लीड्स) का विवरण

क्रम सं.	बैच	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1	प्रथम - एन.सी.जी.जी. – आई.एन.एस.ए. में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नेतृत्व विकास कार्यक्रम (लीड्स)	12-18 जुलाई 2023	44

अनुलग्नक- XII

तालिका : एन.सी.जी.जी. इंटर्नशिप प्रोग्राम का विवरण

क्रम सं.	बैच	अवधि	प्रशिक्षुओं की संख्या
1	इंटर्नशिप कार्यक्रम का पहला बैच	07 जून - 29 सितंबर 2023	15
2	इंटर्नशिप कार्यक्रम का दूसरा बैच	09 अक्टूबर 2023 - 17 जनवरी 2024	8

अनुलग्नक- XIII

तालिका : प्रधान मंत्री पुरस्कार विजेता पहलों पर राष्ट्रीय सुशासन वेबिनार श्रृंखलाओं का विवरण

क्र. सं.	वेबिनार	सत्र	दिनांक
1	'नवाचार - राज्य' पर 13वां वेबिनार	सत्र 1: फ़सल उगाने के लिए कुशल ग्रीनहाउस का निर्माण, लद्दाख	27-04-2023
		सत्र 2: विद्या समीक्षा केंद्र, गुजरात के माध्यम से स्कूली शिक्षा प्रणाली में डेटा आधारित परिवर्तन	
2	'नवाचार - जिला' पर 14वां वेबिनार	सत्र 1: ' संवर्धन ' - वोकल फॉर लोकल, रामपुर, उत्तर प्रदेश	26-05-2023
		सत्र 2: न्यू एज लर्निंग सेंटर (एन.ए.एल.सी.), चांगलांग , अरुणाचल प्रदेश	
3	'समग्र शिक्षा' पर 15वां वेबिनार	सत्र 1:चित्रकूट, उत्तर प्रदेश	30-06-2023
		सत्र 2: मेहसाणा, गुजरात	
4	'नवाचार - जिला' पर 16वां वेबिनार	सत्र 1: चंदौली , उत्तर प्रदेश	28-07-2023
		सत्र 2: सोलापुर, महाराष्ट्र	
5	'आकांक्षी जिला कार्यक्रम' पर 17वां वेबिनार	सत्र 1: बारामुल्ला, जम्मू और कश्मीर	31-08-2023
		सत्र 2: गुलमा , झारखंड	
6	' स्वस्थ भारत - आयुष्मान भारत: स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र' पर 18वां वेबिनार	सत्र 1: अनाकापल्ली , आंध्र प्रदेश	27-10-2023
		सत्र 2: लातूर, महाराष्ट्र	
7	'जिला स्तर पर नवाचार' पर 19वां वेबिनार	सत्र 1: नवप्रवर्तन स्टार्टअप, चनपटिया , पश्चिम चंपारण, बिहार	28-11-2023
		सत्र 2: संपूर्णा, बोंगाईगांव , असम	
8	'खेलों को बढ़ावा देना - खेलो इंडिया योजना' पर 20वां वेबिनार	सत्र 1: चूरू, राजस्थान	31-01-2024
		सत्र 2: बिष्णुपुर, मणिपुर	

अनुलग्नक– XIV

एन.सी.जी.जी. इंटर्नशिप कार्यक्रमों के पहले और दूसरे बैच की रेपोर्टों के विषय का विवरण

क्र. सं.	इंटर्नशिप प्रोग्राम शोध पत्र – पहला बैच
1	सार्वजनिक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग सेवाओं की क्षमता का विकास- एक विश्लेषण अनुसंधान
2	अलवर में जलापूर्ति की सेवा सुपुर्दगी
3	नोएडा और नवा रायपुर के जल संसाधनों पर लैंड यूज और लैंड कवर में परिवर्तन का प्रभाव
4	पश्चिमी हिमालय में चीड़ के पेड़ और जलवायु परिवर्तन में उनका योगदान
5	स्मार्ट शहरों का सतत विकास: प्रौद्योगिकी रुझान, सर्वोत्तम अभ्यास और नवाचार
6	भारत और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर वैश्विक साझेदारी- आगे की राह
7	राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य के अंतर्गत सहकर्मी शिक्षा कार्यक्रम (आर.के.एस.के.)
8	एसबीएम 2.0 के अंतर्गत गोबरधन योजना पर विशेष ध्यान देते हुए भारत में जैविक अपशिष्ट प्रबंधन और ऊर्जा पुनर्प्राप्ति
9	समृद्धि की खेती: उत्पादकता और लाभ के लिए कृषि क्षेत्र में बदलाव
10	छत्तीसगढ़ में भौगोलिक संकेतों की प्रभावशीलता का आकलन और पारंपरिक ज्ञान की सुरक्षा: एक मिश्रित अध्ययन
11	नई दिल्ली में प्लास्टिक की चुनौती का समाधान
12	विकेन्द्रीकृत अपशिष्ट जल उपचार: यूएलबी प्रशिक्षण के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं का संकलन
13	भारत में जलवायु परिवर्तन कानून की आवश्यकता का विश्लेषण

क्र.सं.	इंटर्नशिप प्रोग्राम शोध पत्र – दूसरा बैच
1	अनलॉकिंग हैप्पीनेस: विश्व खुशी सूचकांक रैंकिंग का विश्लेषण और इसके लिए भारत की रणनीति प्रस्तावित करना
2	स्मार्ट ग्रिड में ऊर्जा प्रबंधन पद्धति और आई.ओ.टी. इंटीग्रेशन का अध्ययन
3	भारत में नवीकरणीय ऊर्जा नीतियों की प्रभावशीलता का आकलन:- राज्य स्तरीय पहलों का तुलनात्मक विश्लेषण
4	दैनिक जीवन में ग्रीन क्रेडिट प्रोग्राम का एप्लीकेशन
5	शासन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता
6	एम्पॉवरिंग टुमॉरो: ऊर्जा विकास में नवाचार और उद्यमशीलता
7	जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वॉर्मिंग

अनुलग्नक- XV

तालिका : संस्थानों/राज्यों/देशों के साथ हस्ताक्षरित अंतरराष्ट्रीय और घरेलू समझौता ज्ञापन

क्र. सं.	सहयोगी संस्थाएं	से	तक वैध	अवधि
1	राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान (एन.आई.आर.डी. और पी.आर.)	13 जनवरी 2022	12 जनवरी 2025	3 साल
2	सार्वजनिक प्रणाली नवाचार केंद्र (सी.आई.पी.एस.)	03 जनवरी 2022	02 जनवरी 2025	3 साल
3	आई.सी. सुशासन केंद्र, नई दिल्ली	11 मार्च 2022	10 मार्च 2027	5 साल
4	प्रशासनिक सुधार विभाग, अरुणाचल प्रदेश सरकार	18 अगस्त 2022	17 अगस्त 2027	5 साल
5	भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली और जम्मू और कश्मीर क्षेत्रीय शाखा, जम्मू	31 जनवरी 2021	30 जनवरी 2026	5 साल
6	जे एंड के लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास प्रबंधन संस्थान (जे. एंड. के आई.एम.पी.ए.आर.डी.), जम्मू और कश्मीर सरकार	01 जुलाई 2021	30 जून 2026	5 साल
7	आई.आई.एम., विशाखापत्तनम	29 जुलाई 2021	28 जुलाई 2026	5 साल
8	आई.आई.एम., इंदौर	09 अगस्त 2021	08 अगस्त 2024	3 साल
9	भारतीय कॉर्पोरेट कार्य संस्थान, कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय, भारत सरकार	06 मार्च 2019	05 मार्च 2024	5 साल
10	आई.एन.एस.ए.	06 मार्च 2024	05 मार्च 2029	5 साल
11	लोक प्रशासन मंत्रालय, गवर्नमेंट ऑफ पीपल्स रिपब्लिक ऑफ बांग्लादेश	08 फ़रवरी 2019	07 फ़रवरी 2025	6 साल
12	मालदीव लोक सेवा आयोग, रिपब्लिक ऑफ मालदीव	08 जून 2019	07 जून 2024	5 साल
13	राष्ट्रपति का लोक सेवा आयोग कार्यालय, रिपब्लिक ऑफ गाम्बिया	08 जुलाई 2021	07 जुलाई 2024	3 साल

सत्यमेव जयते
Government of India

NCGG
National Centre for Good Governance
The Torch Bearers of Good Governance

राष्ट्रीय सुशासन केंद्र

नौवीं तल, एन.डी.सी.सी. - II बिल्डिंग, जय सिंह रोड, नई दिल्ली,
दिल्ली - 110 001 (भारत)
+91-11-2140 1195

www.ncgg.org.in NCGG_GoI NCGG India